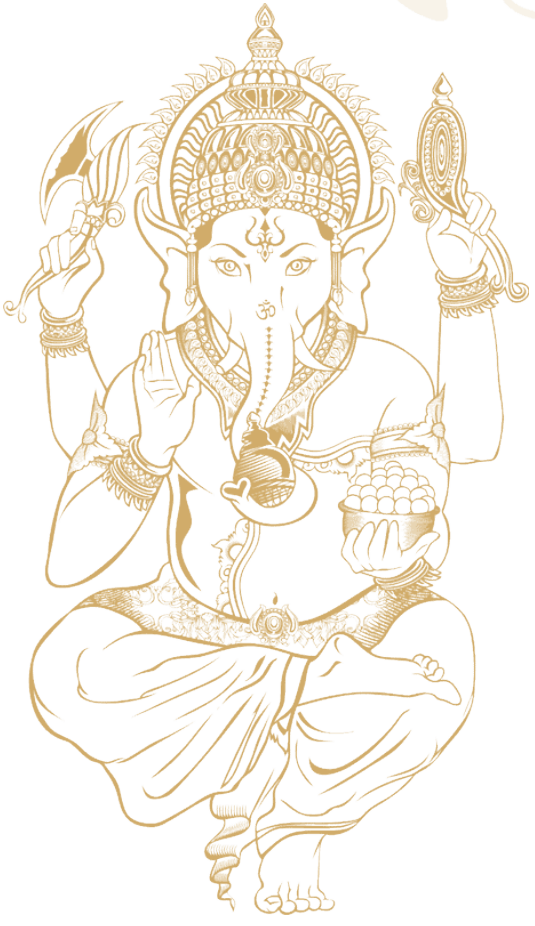

Shagun Sharma

31 Jul 2003

05:05 PM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121449403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/07/2003**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:05:00 घंटे**
इष्ट	28:43:48 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:47:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:24 घंटे
साम्पातिक काल	13:22:20 घंटे
सूर्योदय	05:35:28 घंटे
सूर्यास्त	19:11:37 घंटे
दिनमान	13:36:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:57:47 कर्क
लग्न के अंश	11:46:48 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:46:48	341:38:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कर्क	13:57:47	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	11:16:25	13:38:21	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		कुंभ	16:11:56	00:01:44	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	07:25:40	01:28:22	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	00:15:33	00:12:49	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	08:55:38	01:13:55	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	13:23:50	00:07:06	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	02:43:22	00:10:15	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:43:22	00:10:15	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	07:51:16	00:02:07	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:59:44	00:01:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:32:36	00:00:52	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कन्या	28:21:21	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:13

लग्न-चलित

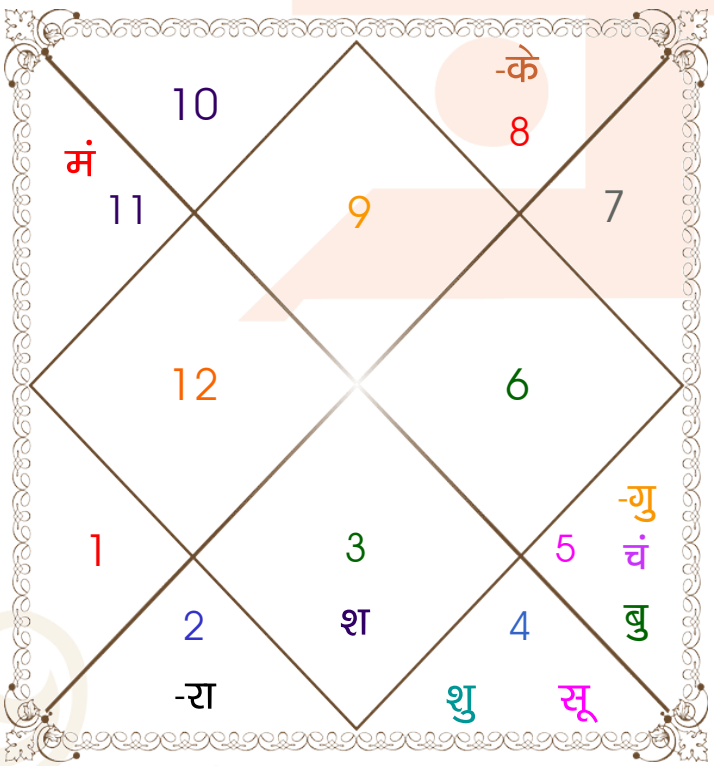

चन्द्र कुंडली

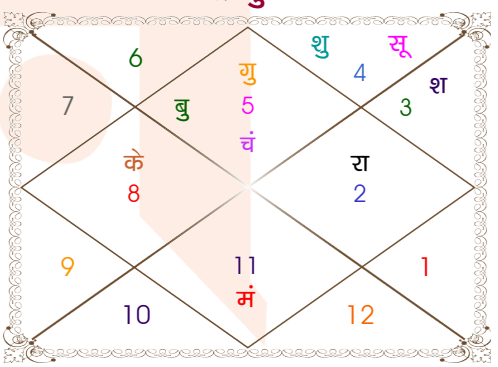

नवमांश कुंडली

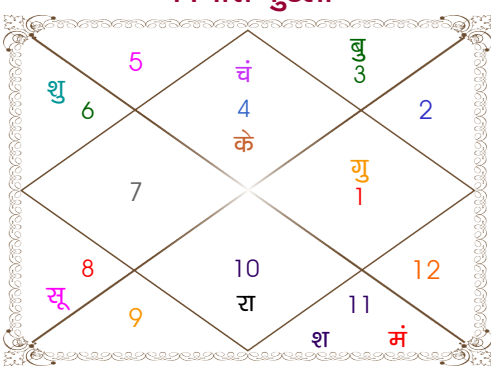

Bhagwati jyotish anusandhan Kendra Aacharya Tripurari Jha

Samay Singh enclave khedali Bahadrabad Haridwar, Uttarakhand, India

9627295790

tripurarijha100@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 0 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/07/2003		29/08/2004		29/08/2024		30/08/2030		29/08/2040	
29/08/2004		29/08/2024		30/08/2030		29/08/2040		30/08/2047	
	00/00/0000	शुक्र	30/12/2007	सूर्य	17/12/2024	चंद्र	30/06/2031	मंगल	25/01/2041
	00/00/0000	सूर्य	29/12/2008	चंद्र	17/06/2025	मंगल	29/01/2032	राहु	13/02/2042
	00/00/0000	चंद्र	30/08/2010	मंगल	23/10/2025	राहु	30/07/2033	गुरु	20/01/2043
	00/00/0000	मंगल	30/10/2011	राहु	17/09/2026	गुरु	29/11/2034	शनि	29/02/2044
	00/00/0000	राहु	30/10/2014	गुरु	06/07/2027	शनि	29/06/2036	बुध	25/02/2045
	00/00/0000	गुरु	30/06/2017	शनि	17/06/2028	बुध	29/11/2037	केतु	24/07/2045
	31/07/2003	शनि	29/08/2020	बुध	24/04/2029	केतु	30/06/2038	शुक्र	23/09/2046
शनि	02/09/2003	बुध	30/06/2023	केतु	29/08/2029	शुक्र	29/02/2040	सूर्य	29/01/2047
बुध	29/08/2004	केतु	29/08/2024	शुक्र	30/08/2030	सूर्य	29/08/2040	चंद्र	30/08/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/08/2047		29/08/2065		29/08/2081		30/08/2100		30/08/2117	
29/08/2065		29/08/2081		30/08/2100		30/08/2117		00/00/0000	
राहु	12/05/2050	गुरु	18/10/2067	शनि	01/09/2084	बुध	27/01/2103	केतु	27/01/2118
गुरु	05/10/2052	शनि	30/04/2070	बुध	12/05/2087	केतु	24/01/2104	शुक्र	29/03/2119
शनि	12/08/2055	बुध	05/08/2072	केतु	20/06/2088	शुक्र	24/11/2106	सूर्य	04/08/2119
बुध	28/02/2058	केतु	12/07/2073	शुक्र	21/08/2091	सूर्य	30/09/2107	चंद्र	04/03/2120
केतु	19/03/2059	शुक्र	12/03/2076	सूर्य	02/08/2092	चंद्र	01/03/2109	मंगल	31/07/2120
शुक्र	18/03/2062	सूर्य	29/12/2076	चंद्र	03/03/2094	मंगल	26/02/2110	राहु	18/08/2121
सूर्य	10/02/2063	चंद्र	30/04/2078	मंगल	12/04/2095	राहु	14/09/2112	गुरु	25/07/2122
चंद्र	11/08/2064	मंगल	06/04/2079	राहु	16/02/2098	गुरु	21/12/2114	शनि	01/08/2123
मंगल	29/08/2065	राहु	29/08/2081	गुरु	30/08/2100	शनि	30/08/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।